भक्त की पहचान सांवरा | By Naresh Narsi

हैं भक्त की पहचान ये दिलदार सांवरा
कहता हूँ छाती ठोंक मेरा यार सांवरा
कहता हूँ सीना तान मेरा यार सांवरा
ये दिलदार सांवरा ये मेरा यार सांवरा

बन जाता है पिता जो कोई इनको बनाये
भाई बने तो चीर ये साडी का बढ़ाये
बनकर के सेठ भक्तों की हुंडई चुकाता है
हाली का रूप धर के ये हल भी चलता है
भक्तों की लाज रखता है हर बार सांवरा
कहता हूँ सीना तान मेरा यार सांवरा

मँझदार में इसने न किसी को भी छोड़ा है
ये लाज बचने को नंगे पाँव दौड़ा है
ये खीर चूरमा ना छप्पन भोग का भूखा
कोई प्रेम से खिलाये खाये रुखा हो सूखा
घर जाने को प्रेमी के बेकरार सांवरा
कहता हूँ छाती ठोंक मेरा यार सांवरा

सच्चे भगत को ढूंढती हैं इनकी निगाहें
फैलाये बैठा उनके लिए अपनी ये बाहें
नरसी ये पल में पढता है प्रेमी के मन की बात
तेरे भी बदल देगा मुश्किलों भरे हालात
ये जीत में बदल दे तेरी हार सांवरा
कहता हूँ सीना तान मेरा यार सांवरा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%a4-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a4%b9%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-naresh-narsi/